श्रावण–भाद्रपद 1936 अगस्त 2014 खण्ड 26 अंक 08

डीआरडीओ

डी आर डी ओ की मासिक गृह पत्रिका

समाचार

आकाश प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण

आकाश प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण।

28 मई 2014 को एकीकृत परीक्षण रेंज (आई टी आर), बालासोर से तीन आकाश प्रक्षेपास्त्रों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। प्रक्षेपास्त्रों ने तेज गति के परिवर्तनीय रडार क्रास सैक्शन (आर सी एस) वाले लक्ष्य को 05 सेकेंड के भीतर भेद दिया।

इस अंक में

- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह
- डॉ बी आर अम्बेडकर जयंती समारोह
- डॉ भुजंग राव, को डॉक्टर ऑफ सांइस की मानद उपाधि
- स्थापना दिवस समारोह
- मानव संसाधन विकास गतिविधियां
- वरटॉक्स प्रयोगशाला की नयी इमारत का उद्घाटन
- डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

भारतीय वायु सेना ने आकाश प्रक्षेपास्त्र प्रणाली को लक्ष्यों सहित संचालित किया। इलैक्ट्रॉनिक तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू द्वारा विकसित और भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटिड (बी ई एल) द्वारा तैयार मल्टीफंक्शन फेजड ऐरें रडार द्वारा प्रक्षेपास्त्रों का सफलतापूर्वक निर्देशन किया गया। मिसाइलों को 13 अन्य डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं के साथ, रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), हैदराबाद द्वारा विकसित और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। लांचरों को अनुसंधान तथा विकास स्थापना, पुणे द्वारा विकसित और टाटा पावर तथा एल एंड टी द्वारा निर्मित किया गया है।

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ अविनाश चन्दर ने डी आर डी ओ, निर्माण एजेंसियों, तथा भारतीय वायु सेना की टीमों को सफलता परीक्षण तथा वितरण योग्य उपकरण पर मूल्यांकन परीक्षण

के मिशन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए बधाई दी। आपने कहा कि देश भर में सैन्य ग्रेड/वांतरिक्ष गुणवत्ता की आकाश उप–प्रणालियों के उत्पादन की कठोर आवश्यकताओं की पूर्ति करने में विभिन्न उद्योग सफल रहे हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह

1998 में पोखरण में दूसरी बार परमाणु परीक्षण की तकनीकी सफलताओं के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हर साल 11 मई को पूरे भारत में मनाया जाता है। इस दिन का महत्त्व इसलिए भी है क्योंकि भारत का पहला स्वदेशी विमान 'हंसा–3' का बैंगलूरू में परीक्षण किया गया और भारत ने डी आर डी ओ द्वारा विकसित त्रिशूल मिसाइल का भी सफलतापूर्वक परीक्षण इसी दिन किया था। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी रचनात्मकता तथा विज्ञान, समाज और उद्योग के एकीकरण में विज्ञान के योगदान के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह दिन प्रौद्योगिकी नवचारों और उनके सफल व्यवसायीकरण के सम्मान में भी मनाया जाता है जिससे लोगों तक अनुसंधान के परिणाम की पहुँच बड़े पैमाने पर हो सके।

निम्नलिखित डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं ने भी अपने यहां प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान, विशेष व्यख्यान, विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन करके राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया।

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे

डॉ नायक से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए श्री कमलेश कुमार, (बांये)

आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना (ए आर डी ई), पुणे ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस को 12 मई 2014 को मनाया। इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), श्री सुरेश नायक ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंगल ग्रह परिक्रमा मिशन में प्रयुक्त तकनीकों पर व्याख्यान दिया।

श्री कमलेश कुमार, वैज्ञानिक डी, ने विस्फोटक ऊर्जा की दिशात्मक नियंत्रण के प्रायोगिक मूल्यांकन पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया और मुख्य अतिथि द्वारा टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद

डॉ जयराम (बांये), डॉ श्रीनिवासन को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए।

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (ए एस एल), हैदराबाद ने 16 मई 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। एच आर डी जी प्रमुख श्री एम राजगोपाल रेड्डी, वैज्ञानिक एफ, ने स्वागत भाषण दिया। श्री के जयरमन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, ए एस एल ने कर्मचारियों को संबोधित किया। डॉ आर श्रीनिवासन, वैज्ञानिक एफ, ने ठोस प्रणोदक रॉकेट की सोलिड रॉकेट थ्रस्ट टर्मिनेशन–एनहांसिंग मिशन फ्लैक्सीविलिटी पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। डॉ के जयरमन ने

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

वक्ता को टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किये।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू

श्री संजय बर्मन से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए श्री सी एच स्वामलू।

श्री सी एच स्वामलू, वैज्ञानिक एफ, ने नौसेना के लिए स्थितिजन्य जागरुकता तकनीकी पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। आपने सही निर्णय लेने के लिए निर्णय निर्माताओं को सक्षम करने के लिए स्थितिजन्य जागरुकता के महत्त्व को समझाया। श्री संजय बर्मन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, केयर ने उन्हें टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 13 मई 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्री सुधांशु भूषण, वैज्ञानिक डी, ने ऑनलाईन एनवायरनमेंट में क्वांटिफाइंग रिसर्च पब्लिकेशंस के लिए वैकल्पिक मैट्रिक्स पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। आपने इस बात पर भी विचार–विमर्श किया कि हाल के वर्षों में किस प्रकार शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने काफी संख्या में विस्तार के नये तरीकों को खोजना, विचार विमर्श करना, विद्वानों के प्रकाशन की सूचनाओं को पारंपरिक चैनल से बाहर प्राप्त करना, शेयर करना जैसे अपने रोजमर्रा के कामों को वेब पर शुरू कर दिया है। आपने वैकल्पिक मैट्रिक्स की अवधारणा के बारे में बताया जो उभरते सामाजिक नेटवर्किंग क्षेत्र में अपना आकार बना रही है। आपने शोधकर्ताओं और अनुसंधानों दोनों के लिए नये व पुराने मैट्रिक्स की प्रमुख प्रवृतियों, अवसरों और चुनौतियों को संक्षेप में बताया। आपको रक्षा

डॉ अविनाश चंदर (दांये), श्री सुधांशू भूषण को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए।

अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डी आर डी ओ के महानिदेशक द्वारा टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरू

सैन्य उड़नयोग्यता तथा प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक), बैंगलूरू ने 13 मई 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्रीमती साला लक्षमणन, वैज्ञानिक ई, ने सैन्य क्लाउड़ कम्प्यूटिंग और चुनौतियों पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने क्लाउड़ कम्प्यूटिंग को इसके कई रूपों में एक प्रतिमान की तरह प्रस्तुत किया। आपने क्लाउड़, उनकी विशेषताओं और वास्तुकला के विभिन्न प्रकारों पर अपने विचार प्रकट किये तथा क्लाउड़ के उपयोग के लाभों के बारे में भी बताया। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए सैन्य परिदृश्य के साथ साथ प्रस्तावित मौजूदा तकनीक में क्लाउड़ का उपयोग करने में सुरक्षा चुनौतियों की भी चर्चा हुई।

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 7 मई, 2014 को मनाया। कार्यवाहक निदेशक, श्रीमती अंजली भाटिया ने कहा कि एक देश के रूप में दुनिया के सबसे अच्छे वर्ग होने के लिए प्रौद्योगिकी की बाधाओं को पार करने के में हमें अपनी क्षमताओं को बेहतर जानने और उन पर पूरा भरोसा करने की जरूरत है। डॉ जे पी मंगलहारा, वैज्ञानिक ई, ने थर्मल इनलेयर सिगनेचर टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय दिवस व्याख्यान दिया।

श्रीमती अंजली भाटिया (बांये), डॉ जे पी मंगलहारा को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए।

श्रीमती अंजलि भाटिया ने उन्हें टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर आम जनता के लिए एक तकनीकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी एवं चुनिन्दा वस्तुओं और जोधपुर के विभिन्न स्कूल के छा़त्रों द्वारा बनाये गये 23 विज्ञान मॉडलों को प्रदर्शनी में रखा गया। तीन सबसे अच्छे मॉडलों को पुरस्कृत किया गया।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर

प्रोफेसर एम पी कौशिक से से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए डॉ ए के गोयल।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर ने 13 मई, 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। डॉ ए के गोयल, वैज्ञानिक ई, ने प्रौद्योगिकी अभिसरणः मानव प्रगति और वैश्विक सुरक्षा पर प्रभाव नामक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। डी आर डी ई के निदेशक, प्रो. (डॉ) एम पी कौशिक ने प्रौद्योगिकी दिवस संदेश दिया तथा इस दिन के महत्त्व पर प्रकाश डाला तथा डॉ गोयल को टाइटेनियम पदक एवं प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), हैदराबाद

प्रो. बी एल दीक्षातूलू, दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

रक्षा अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला (डी आर डी एल), हैदराबाद ने 19 मई, 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। आई डी आर बी टी के प्रतिष्ठित अध्येता प्रो. बी एल दीक्षातूलू इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डी आर डी एल के निदेशक, श्री शिवनाथ सोम ने सभा को संबोधित किया और मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रो दीक्षातूलू ने स्पेशियल टेक्नोलॉजीज पर शिक्षाप्रद व्याख्यान दिया। श्री एम वैंकटा रेडडी, वैज्ञानिक डी, ने मिसाइल प्रौद्योगिकी में गैर विनाशकारी मूल्यांकन पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिक दिवस व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि ने श्री वैंकटा रेडडी को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक और प्रमाण–पत्र प्रदान किया।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरु

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैगलूरु ने 13 मई 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। कार्यवाहक निदेशक, श्री के एस रामप्रसाद ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री नरेन्द्र बाबू, एस एन, वैज्ञानिक एफ, ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने स्वदेशीकरण कार्यक्रम के मुख्य पहलुओं के बारे में बताया जिसमें एलॉइ, फोर्जिंग और प्रोसेसिज की विभिन्न किस्मों को विकसित किया गया है। आपने इंजन परियोजना की आवश्यकता और सामग्री

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

श्री के एस रामप्रसाद से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्राप्त करते हुए श्री नरेन्द्र बाबू।

डाटा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला। श्री बाबू को टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति–पत्र प्रदान किये गये।

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे

उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एच ई एम आर एल), पुणे ने 13 मई 2014 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, श्री बी भटटाचार्य, एच ई एम आर एल ने इस अवसर पर विभिन्न गोलाबारूद और प्रणोदन प्रणाली में तकनीकी विकास की प्रगति पर एक व्याख्यान दिया। श्री अरविन्द कुमार, वैज्ञानिक एफ ने प्रणोदन की अस्थिरता पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया।

ऊर्जावान सामग्री के क्षेत्र में हाल की प्रौद्योगिकियों पर लैब और ए सी ई एम नासिक के वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों द्वारा तकनीकी पेपरों की प्रस्तुति की गयी। 06 श्रेष्ठ तकनीकी प्रपत्रों को पुरस्कार दिया गया। प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान में उन्नतशील विचार प्रस्तुत करने के लिए भी पुरस्कार दिये गये। श्री भटटाचार्य ने 23 वैज्ञानिकों/तकनीकी अधिकारियों को प्रौद्योगिकी से संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण–पत्र प्रदान किये।

एच ई एम आर एल की सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी–2013 के लिए डॉ एस एन अस्थाना, उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा उनकी टीम को अर्जुन एम बी टी के लिए 120 मिमी एफ एस ए पी डी एस के लिए एडवांस प्रोपेलेंट फॉर्मुलेशन पर काम करने के लिए प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि

श्रीमती प्रदीपा आर को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए श्री एस के शिनॉय, सह निदेशक।

नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एन पी ओ एल), कोच्चि ने शिक्षाप्रद घटनाओं की एक श्रृंखला का आयोजन करके राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। श्रीमति प्रदीपा आर, वैज्ञानिक एफ ने मशीन विद माइंडः आटोमैटिक टारगेट क्लासीफायर्स फार सोलर प्रणाली पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान दिया। व्याख्यान का उद्देश्य एक भविष्यत् दृष्टिकोण के साथ सोनार प्रणाली के लिए कुशल मशीनों के अनुप्रयोग पर ध्यान देना था। व्याख्यान में सक्रिय, निष्क्रिय सोनार और टॉरपीडों की चेतावनी प्रणाली के मामलों पर विचार करने के लिये सोनार लक्ष्य की प्रक्रियाओं और उसके निर्माण की चुनौतियों को शामिल किया गया। एन पी ओ एल के सह निदेशक, श्री एस के शिनॉय ने श्रीमती प्रदीपा आर को टाइटेनियम पदक और प्रशस्ति प्रमाण–पत्र प्रदान किये।

इंफो पार्क, कोच्चि के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री हरिकेश नायर ने टेक्नोलॉजी टूडे एंड इंडिया टूमॉरो पर उत्सव के हिस्से के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया। व्याख्यान को वर्तमान डिजिटल परिवर्तन पर केन्द्रित किया गया था तथा राष्ट्र की प्रगति में योगदान के लिए भविष्य के रुझानों और प्रौद्योगिकी के बारे में चर्चा की गयी।

ध्वनि ऊर्जा परावर्तक पर अमेरिकी पेटेंट प्राप्त करने के लिए डॉ टी मुकन्दन, वैज्ञानिक एफ, डॉ मनोज, वैज्ञानिक एफ, डॉ जी सुरेश, वैज्ञानिक डी, श्री के शशीकुमार, वैज्ञानिक डी, को सम्मानित किया गया। एन पी ओ एल की दीर्घकालीन प्रौद्योगिकी योजना के परिप्रेक्ष्य में एक दस्तावेज भी इस अवसर पर जारी किया गया।

वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली

वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एस ए जी), दिल्ली ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 12 मई, 2014 को मनाया। सुश्री रचिता जुनेजा के एप्लीकेशन ऑन रीकॉनफ्रीग्रेबल कम्प्यूटिंग क्रिप्टेनॉलाइसिस पर व्याख्यान के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अपने व्याख्यान में आपने जी पी यू और जी पी पी जैसी दूसरी कम्प्यूटिंग मानदण्डों के साथ रीकॉनफ्रीग्रेबल कम्प्यूटिंग अनुप्रयोग वाले क्षेत्रों, लाभों, सीमाओं की तुलना की आवश्यकता पर जोर दिया। आपने एस ए जी द्वारा हाल में अधिग्रहित रीकॉनफ्रीग्रेबल मंच रिवयेरा का उपयोग करते हुए सबस्पेस सर्च और प्रजेंट–80 की खोज से प्राप्त परिणामों को भी प्रस्तुत किया। श्री राजेश अस्थाना, वैज्ञानिक डी तथा डॉ आर पी मिश्रा, वैज्ञानिक डी ने अपना व्याख्यान आईपी एनक्रिप्टर के क्रिप्टेनॉलाइसिस पर तकनीकी प्रस्तुति के साथ दिया।

डॉ अविनाश चंदर सुश्री रचिता जुनेजा को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पदक तथा प्रमाण–पत्र प्रदान करते हुए।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

डॉ बी आर अम्बेडकर जयंती समारोह

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई), बैंगलूरू ने 15 मई, 2014 को डॉ अम्बेडकर की जयंती मनायी। श्री के एस रामप्रसाद, वैज्ञानिक जी तथा कार्यवाहक निदेशक, जी टी आर ई, ने समारोह की अध्यक्षता की। बसवा समिति के अध्यक्ष, श्री अरविन्द जत्ती समारोह के मुख्य अतिथि थे। नई दिल्ली और दक्षिण क्षेत्र से अखिल भारतीय रक्षा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री एम नरसिंह राव को समारोह का सम्मानित अतिथि बनाया गया। ए आई डी एफ आंध्र प्रदेश कार्यकारी समिति के सदस्य श्री गोपैहा विशेष अतिथि थे। इस अवसर पर डॉ प्रेम कुमार ने स्वास्थ्य मंत्र पर व्याख्यान दिया।

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सी वी आर डी ई), चेन्नई में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 123वां को जन्मदिन भव्य तरीके से मनाया गया। सी वी आर डी ई के श्री पनीरसेल्वाम, वैज्ञानिक ई ने इस उपस्थित जनों का स्वागत किया। सी वी आर डी ई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, डॉ पी शिवकुमार ने समारोह की अध्यक्षता की और आपने भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ अम्बेडकर के अन्य गुणों और योगदान के अलावा उनके द्वारा निभाई गयी भूमिका का भी वर्णन किया।

मुख्य अतिथि श्री वेनुगोपाल, माननीय सासंद, श्री एस अब्दुल रहीम, माननीय राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग, तमिलनाडु ने सभा को संबोधित किया और देश के लिए डॉ अम्बेडकर द्वारा निभायी गयी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। सी वी आर डी ई के अनुसूचित जाति/जनजाति के अध्यक्ष, भूतपूर्व विधायक श्री जगन मूर्ति और ई एस आई के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ जी कामराज भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अतिथियों ने टैंक सिम्युलेटर सुविधाओं का निरीक्षण किया और विश्व स्तर के टैंक सिम्युलेटर की स्थापना के लिए सी वी आर डी ई की सराहना की। आपने 2 साल की छोटी अवधि में अर्जुन एम बी टी एम के द्वितीय के विकास के लिए भी सी वी आर डी ई की सराहना की। वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी, विभिन्न यूनियनों और संघों के सदस्य, सी वी आर डी ई के कर्मचारी, भारी वाहन

कारखाना एसोसिएशन, आर्डिनेंस वस्त्र कारखाना और इंजन कारखाना आदि, अवाड़ी, के अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

उत्सव कमेटी के अध्यक्ष, श्री रामनाथन, वैज्ञानिक एफ ने कार्यक्रम का समन्वय किया। एस सी/एस टी एसोसियेशन के महासचिव, श्री जी श्रीनिवासन ने धन्यवाद प्रस्ताव पास किया।

डॉ भुजंग राव, को डॉक्टर ऑफ सांइस की मानद उपाधि

डी आर डी ओ के नौसेना प्रणालियों और सामग्री के महानिदेशक, श्री वी भुजंग राव को विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर, आंध्रपदेश सरकार के प्रथम दीक्षान्त समारोह में 9 जून, 2014 को स्वदेशी अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय नेतृत्व और अग्रणी कार्यों के लिए डॉक्टर ऑफ सांइस, मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ भुजंग राव ने विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर के कुलपति प्रो. राजारमी रेड्डी से पुरस्कार प्राप्त किया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए डॉ भुजंगा राव ने अपने 41 साल के व्यवसायिक जीवन में नवोन्मेषी योगदान दिया है तथा कई पुरस्कार भी जीते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ भुजंग राव भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के निर्वाचित सदस्य हैं और आंध्र प्रदेश विज्ञान अकादमी के अध्ययेता होने के साथ–साथ बहरे लोगों के लिए विकसित स्वदेशी कर्णावत प्रत्यारोपण उपकरण के मुख्य अभिकल्पनकर्ता भी हैं। आपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग के साथ साथ प्रौद्योगिकी प्रबंधन में भी डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की है। आपने कुरूक्षेत्र के राष्ट्रीय प्रौद्योगिक संस्थान से पी एच डी की मानद उपाधि प्राप्त की है। डॉ भुजंग राव को समृद्ध शैक्षिक अनुभव प्राप्त है और 2003–04 में आप एक साल के लिए फ्लौरिडा स्टेट यूनीवर्सिटी, सयुंक्त राष्ट्र अमेरिका के स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी, में एक अतिथि वैज्ञानिक भी रहे हैं। आप फ्लोरिडा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अमेरिका की सलाहाकार समिति के सदस्य भी हैं। आपने दोनों ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में लगभग 70 पत्र प्रकाशित किये हैं। आपके पास डीजल इंजन निकास के इन्फ्रारेड दमन डिवाइस के लिए एक पेटेंट भी है।

वरटॉक्स प्रयोगशाला की नयी इमारत का उद्घाटन

रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ अविनाश चन्दर द्वारा 30 अप्रैल, 2014 को रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना (डी आर डी ई), ग्वालियर में रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओ पी सी डब्ल्यू) द्वारा चिन्हित वरटॉक्स प्रयोगशाला की नई इमारत का उद्घाटन किया गया। डॉ. मानस के मंडल, विशिष्ट वैज्ञानिक तथा महानिदेशक (जीव विज्ञान), डॉ. लोकेन्द्र सिंह, डॉ भुवनेश कुमार, श्री डी पहाड़ सिंह, महानिदेशक (जीव विज्ञान) कार्यालय के सभी निदेशक तथा श्री आर के गुप्ता, निदेशक, जनसम्पर्क निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय ने समारोह में भाग लिया।

डी आर डी ई की वरटॉक्स प्रयोगशाला, ग्वालियर ने कैमिकल युद्ध एजेन्टों के सत्यापन के लिए नोडल प्रयोगशाला के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया है और 'मनोनीत प्रयोगशाला' की स्थिति को बरकरार रखते हुए राष्ट्रीय दायित्व को पूरा कर रही है। प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य रसायनिक युद्ध एजेन्टों और उनके विभिन्न मार्करों के सत्यापन की उत्कृष्टता के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में कार्य करना है। प्रयोगशाला रसायनिक युद्धक एजेन्टों के सत्यापन वाले संदर्भ–रसायानों के भण्डारण और उनके स्पैक्ट्रल डाटाबेस के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। डी आर डी ओ और राष्ट्र दोनों के लिए गर्व की बात यह है कि डी आर डी ई की वरटॉक्स यह प्रयोगशाला 2006 के बाद से देश की पहली प्रयोगशाला है जिसे सी पी सी डब्ल्यू से 'मनोनीत प्रयोगशाला' का दर्जा हासिल है और हर साल अंतर्राष्ट्रीय अधिकारिक प्रवीणता प्रवीणता में लगातार 'ए' ग्रेड बनाये हुए है। यह स्थिति प्रयोगशाला और देश दोनों को सी डब्ल्यू सी की अंतर्राष्ट्रीय संधि का अनुपालन साबित करने या न करने में एक निर्णायक भूमिका निभाती है। सीडब्ल्यूसी के सत्यापन के लिए मनोनीत प्रयोगशाला की यह स्थिति राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए देश को शक्ति प्रदान करती है।

भारत में एक प्रयोगशाला परीक्षक के रूप में नमूने तैयार करने के लिए अक्तूबर 2012 में 32 वीं प्रवीणता परीक्षा आयोजित की गयी और 2009 में 26वीं प्रवीणता परीक्षा आयोजित की गयी। सी पी डब्ल्यू सी ने परीक्षक के रूप में डी आर डी ई के योगदान को स्वीकार किया और दुनिया भर के विकसित और विकासशील देशो से भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए इसे नामित किया है। डी आर डी ई को अन्य देशों द्वारा अपनायी गयीं विश्लेषणात्मक रणनीतियों को जानने और प्रवीणता परीक्षण में भाग लेने वाली प्रयोगशालाओं को ग्रेड पुरस्कार देने के लिए एक जिम्मेदारी सौंपी गयी है। डी आर डी ई ने एक सदस्य देश के रूप में कई विश्लेषात्मक तरीकों और रसायनिक युद्धक एजेन्टों और उसके मार्कर की परोक्ष पहचान करने के तरीकों को प्रदान करके ओ पी डब्ल्यू सी की मदद की है।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

स्थापना दिवस समारोह

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर ने 21 मई, 2014 को अपना 55वां स्थापना दिवस मनाया। निर्माण समिति के अध्यक्ष, श्री ए के यादव, वैज्ञानिक एफ ने महासभा का स्वागत किया। एक स्लाइड शो 'जर्नी डाउन द मेमोरी लेन' रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर पर पेश किया गया जिसने प्रयोगशाला के विकास और हासिल किये गये लक्ष्यों में पूर्व निदेशकों तथा अन्य सहयोगियों द्वारा किये गये योगदान पर प्रकाश डाला।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए डॉ वढेरा।

डॉ आर एस वढेरा, निदेशक, रक्षा प्रयोगशाला ने सशस्त्र बलों के लिए प्रयोगशाला द्वारा वितरित विभिन्न प्रौद्योगिक उत्पादों का वर्णन करते हुए अध्यक्षीय भाषण दिया। मेधावी कर्मचारियों के लिए प्रयोगशाला वार्षिक वैज्ञानिक पुरस्कार, प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार, डी आर टी सी के लिए प्रयोगशाला पुरस्कार, प्रशासनिक और संबद्ध श्रेणी के लिए प्रयोगशाला अवार्ड और नकद पुरस्कार दिये गये। कर्मचारियों के लिए उनकी 25 साल की उत्कृष्ट सेवा के लिए स्मृति चिन्ह भी भेंट किये गये। प्रयोगशाला के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भी एक बड़ी संख्या में काफी उत्साह के साथ स्थापना दिवस में भाग लिया। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया।

लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली

लेजर विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केंद्र (लेसटेक), दिल्ली ने 23 मई, 2014 को अपना 55वां स्थापना दिवस मनाया। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशक, आई पी एस, श्री जे एन चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केन्द्र, दिल्ली के अध्यक्ष, श्री आर बी सिंह तथा मेटकॉफ हाउस परिसर की डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं के निदेशकगण भी समारोह में उपस्थित थे। लेसटेक के निदेशक, श्री ए के मैनी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने लेसटेक के प्रमुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए एक संपूर्ण वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। श्री मैनी ने आदित्य कार्यक्रम, वाहन स्थापित लेजर चकाचौंधक प्रणाली, इलैक्ट्रो ऑप्टीकल टारगेट लोकेटर प्रणाली, पी जी एम परीक्षण प्रणाली, स्टेण्ड ऑफ विस्फोटक डिटेक्टर्स, लेजर आयुध निपटान प्रणाली, लेजर सेरामिक्स तथा एन बी सी कार्यक्रम पर विशेष रूप से बल दिया।

लेसटेक के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्री जे एन चौधरी।

इस अवसर पर डी आर डी ओ में सराहनीय सेवा के 25 साल पूरा करने के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों को मुख्य अतिथि और निदेशक द्वारा प्रयोगशाला पुरस्कार, प्रशस्ति प्रमाण–पत्र और स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने लेसटेक समाचार पत्र और हिन्दी पत्रिका 'अरुणोदय' का विमोचन किया। अपने भाषण में श्री जी एन चौधरी ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और लेसटेक द्वारा एल आई सी के संचालन के लिए विकसित उपकरणों पर अपार संतोष व्यक्त किया। समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

द्विभाषी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सूचना प्रौद्योगिकी: कल, आज, और कल

फरवरी 2015, दिल्ली, भारत

Bilingual International Conference

Information Technology: Yesterday, Today, and Tomorrow

February 2015, Delhi, India

मुख्य संरक्षक : डॉ अविनाश चंदर, रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार, सचिव, रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग एवं महानिदेशक रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन

Chief Patron : Dr. Avinash Chander, SA to RM, Secretary, Defence R&D, and DG, DRDO

संरक्षक : डॉ जी मालकोंडय्या, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं मुख्य नियंत्रक अनुसंधान तथा विकास (मानव संसाधन)

Patron : Dr. G Malakondaiah, DS and CC R&D (HR)

सम्मेलन का उद्देश्य

सूचना प्रौद्योगिकी: कल आज और कल नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य अकादमिकगणों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, तथा विद्वानों के मध्य परस्पर विचार-विमर्श, उनके द्वारा किए गए शोध पर परिचर्चा, तथा नवीन विधाओं का सृजन है। इस सम्मेलन से बहुआयामी शोधपरक विचारों का सृजन, अद्यतन प्रौद्योगिकियों की समालोचना, प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोग में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियां, सामाजिक सरोकारों, तथा नवीन शोध की दिशाएं स्थापित होंगी।

Conference Objective

The International Conference on Information Technology: Yesterday, Today, and Tomorrow; aims to bring together leading academicians, scientists, researchers, and research scholars to exchange and share their experiences, and research results about all aspects of information technology. It also provides the premier interdisciplinary forum for researchers, practitioners and educators to present and discuss the most recent innovations, trends, concerns, practical challenges encountered, and the solutions adopted in the field of information technology.

Important Dates

Conference Dates: Second half of February 2015

Paper submissions

Full paper submission: 01 October 2014

Notification of acceptance: 20 October 2014

Organising centre : Defence Scientific Information & Documentation Centre (DESIDOC) DRDO, Metcalfe House Delhi-110054

महत्वपूर्ण तिथियां

सम्मेलन की तिथियां: फरवरी 2015 के दूसरे पखवाड़े में

पूर्ण आलेख प्राप्त करने की अंतिम तिथि: 01 अक्तूबर 2014

सम्मेलन हेतु आलेख के चयन की सूचना: 20 अक्तूबर 2014

आयोजक: रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), डी आर डी ओ, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

संपर्क

श्री सुरेश कुमार जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक

श्री फूलदीप कुमार, प्रमुख, डिजिटल संग्रह, विज्ञान संचार, तथा राजभाषा प्रभाग

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केन्द्र (डेसीडॉक), मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054

दूरभाष: **011-23902530**, ई-मेल: **director@desidoc.drdo.in, itconf2015@gmail.com**

Contact

Shri Suresh Kumar Jindal, Director, DESIDOC

Shri Phuldeep Kumar, Head, Digital Archieve, Science Communication, and Official Language Division

Defence Scientific Information & Documentation Centre (DESIDOC), DRDO, Metcalfe House, Delhi-110054

Contact number: 011-23902530, E-mail: director@desidoc.drdo.in, itconf2015@gmail.com

Language of paper and presentation : Hindi or English

Fees: For Participants: Rs 1000

For Paper Contributors, whose papers are selected for presentation: Nil

For more details please refer www.drdo.gov.in

आलेख की भाषा: आलेख हिन्दी एवं अंग्रेजी में स्वीकार्य हैं।

आलेख प्रस्तुति का माध्यम: हिन्दी अथवा अंग्रेजी।

सम्मेलन शुल्क: प्रतिभागियों के लिए 1000 रूपये।

शोध पत्र प्रदाताओं के लिए कोई शुल्क नहीं, यदि उनका आलेख प्रस्तुति हेतु चयनित किया जाता है।

कृपया अधिक जानकारी के लिए **www.drdo.gov.in** देखें।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

मानव संसाधन विकास गतिविधियां

सम्मेलन/सेमिनार/विचार–गोष्ठी/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बैठक

अनुसंधान परिषद बैठक

अनुसंधान परिषद बैठक की दौरान डॉ नायक चर्चा करते हुए।

रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगषाला (डी टी आर एल), दिल्ली की पहली अनुसंधान परिषद (आर सी) 13 मई, 2014 को आयोजित की गयी थी। अनुसंधान बैठक में शैक्षणिक समुदाय के विशेषज्ञ, कॉम्बेट इंजीनियर्स ब्रांच मुख्यालय, तकनीकी योजना, मुख्यालय महानिदेशक सीमा सड़क के उपयोगकर्ता और हाल ही में गठित आर्मामेन्ट एवं काम्बेट इंजीनियरिंग (ए सी ई) समूह की प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को शामिल किया गया। भारत सरकार के सचिव डॉ शैलेष नायक ने अनुसंधान परिषद की बैठक की अध्यक्षता की और डी टी आर एल द्वारा शुरू की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों के भविष्य पर अपने विशेषज्ञ विचार रखने वाले सदस्यों का स्वागत किया। आपने डी टी आर एल के निदेशक द्वारा प्रस्तुत वर्तमान प्रयासों और शोध रोडमेप 2022 पर संतोष व्यक्त किया। डॉ राय का मत था कि डी टी आर एल को व्यापक मैदानी सूचना प्रणाली के विकास को ऊपर रखना चाहिए जिसमें सैन्य अभियानों के लिए एक स्वचलित निर्णय सहायता प्रणाली के फैलाव के लिए सभी परिदृश्य, भू–आकृतियाँ, जमीनी इकाईयाँ, इलाके की मिटटी के प्रकार, मिटटी की विशेषताओं, वनस्पति, स्थलाकृति आदि के विशिष्ट डाटाबेस बनाकर साल के अंत में एकत्र करना चाहिए।

अनुसंधान परिषद ने इन मुददों पर चर्चा की और नियंत्रण संरचनाओं के लिए भूस्खलन और इंजीनियरिंग के समाधान करने में भविष्यसूचक जैसी विकसित पूर्व चेतावनी प्रणाली के रूप में अनुसंधानात्मक पहल के लिए ऐसे लक्ष्यों की सिफारिश की जिसकी अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए वेब के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र में और विस्तार करने की जरूरत है।

कृत्रिम बाढ़, मौसम परिवर्तन का संभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में परिवहन पर प्रभाव के आंकलन पर एक विशेष अध्ययन और अगले दशक में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को भी परिकल्पित किया गया।

युवा वैज्ञानिकों के लिए सेमिनार

श्री रविन्द सिस्तला व्याख्यान देते हुए।

गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जी टी आर ई) बैंगलूरू ने 3 मई, 2014 को युवा वैज्ञानिकों के लिए 17वीं संगोष्ठी का आयोजन किया। इलैक्ट्रोनिक्स तथा रडार विकास स्थापना (एल आर डी ई), बैंगलूरू के विशिष्ट वैज्ञानिक तथा निदेशक, श्री रविन्द सिस्तला ने एल आर डी ई के रडारों पर आमंत्रित व्याखान दिया। एल आर डी ई द्वारा विकसित विभिन्न रडार प्रणाली पर व्याख्यान देते हुए आपने इस बात पर बल दिया कि प्रौद्योगिकियों में तेजी से हो रहे परिवर्तनों के साथ मौजूदा बाजार में विकसित उत्पादों की प्रासंगिकता जरूरी है। भविष्य में उभरते खतरों और इलैक्ट्रॉनिक युद्ध के परिदृश्य को देखते हुए एल आर डी ई द्वारा भविष्य की सैन्य आवश्यकताओं को भी पूरा करने के प्रयास चाहिए।

श्रीमती इसाई थामिज्ह आर, वैज्ञानिक सी ने गैस टरबाइन रोटर ब्लेड के संरचनात्मक विश्लेषण और लाइफ मॉनिटरिंग पर व्याख्यान दिया।

कम्प्यूटर, लैन और इंट्रानेट का अनुप्रयोग

डॉ हिना गोखले का स्वागत करते हुए डॉ त्रिपाठी।

नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली द्वारा कम्प्यूटर के अनुप्रयोग, डी आर डी ओ रैपिड इंट्रानेट पर एक सतत् शिक्षा कार्यक्रम 6–8 मई के दौरान आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम की योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए बनायी गयी थी जो विभिन्न सरकारी और पारिवारिक प्रतिबद्धताओं के कारण अपना कार्यस्थल नही छोड़ सकते। दिल्ली स्थित 9 डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं के 40 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ राजीव विज ने इनमास के मानव संसाधन विकास गतिविधियों का अवलोकन किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

डॉ हिना ए गोखले, निदेशक, मानव संसाधन विकास निदेशालय, डी आर डी ओ, मुख्यालय को उद्घाटन समारोह का मुख्य अतिथि बनाया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ गोखले ने डी आर डी ओ के कर्मचारियों की प्रशिक्षण की जरूरतों को पूरा करने के लिए मानव संसाधन विकास निदेशालय द्वारा की गयी गतिविधियों एवं पहल पर प्रकाश डाला। इनमास के निदेशक डॉ आर पी त्रिपाठी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने स्वागत भाषण दिया और डी आर डी ओ में सरकारी कामकाज में व्यक्तिगत कुशलताओं के विकास के लिए कम्प्यूटर सुविधा और उपलब्ध प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग की जरूरत पर बल दिया। योजना एवं समन्वय निदेशालय, डी आर डी ओ मुख्यालय, डेसीडॉक, लेसटेक तथा इनमास के संकाय वक्ताओं को भी शामिल किया गया था। पाठ्य सामग्री में इंट्रानेट के अनुप्रयोग, द्रोण ट्रांजेक्शनल प्रणाली, लैन टैक्नॉलोजी, कम्प्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग, नेटवर्क और सिस्टम सुरक्षा और साइबर सुरक्षा आदि को शामिल किया गया है। डॉ राजीव विज ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किये। श्री नवीन कुमार सोनी, वैज्ञानिक सी पाठ्यक्रम समन्वयक थे।

बजट, वित्त और खातों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री टंडन, प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए।

29 अप्रैल, 2014 को इनमास द्वारा बजट, वित्त और खातों के प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमः 'दक्षता से प्रभावशीलता' विशेष रूप से दिल्ली स्थित प्रयोगशालाओं में बजट, वित्त, तथा खातों का प्रबंधन कर रहे अधिकारियों/वैज्ञानिकों के लिए आयोजन किया गया। 71 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

श्री संजय टंडन, निदेशक, बजट, वित्त और खाता (बी एफ ए), डी आर डी ओ मुख्यालय, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री प्रीतम दत्ता, आई डी एस ए, उप–नियंत्रक रक्षा लेखा (डी सी डी ए) मेटकॉफ हाउस, दिल्ली तथा डी आर डी ओ मुख्यालय से श्रीमती अलका सूरी, समारोह की विशिष्ट अतिथि थीं। इनमास के निदेशक डॉ आर पी त्रिपाठी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने अपने स्वागत भाषण में अनुसंधान एवं विकास परियोजना में काम के दौरान अतिथि संकायों के साथ हुई वित्तीय समस्याओं पर चर्चा करने की आवश्यता पर बल दिया।

श्री टंडन ने बजट और राजस्व संबंधी अनुशासन पर व्याख्यान दिया। आपने बजट, खर्च, भारत सरकार की बजट प्रक्रिया, अनुदान, बजट का आवंटन, नकदी प्रबंधन, व्यय निगरानी आदि समस्याओं और बजट व्यय संभावित समाधान के महत्त्व को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया।

श्री प्रीतम दत्ता, आई डी एस ए, डी सी डी ए ने डी आर डी ओ की बजट कंट्रोल और लेखा परियोजनाओं में पी सी डी ए/सी डी ए (आर एंड डी) की भूमिका पर एक व्याख्यान दिया। आपने बजट कंट्रोल में पी सी डी ए/सी डी ए (आर एंड डी) की भूमिका, डी आर डी ओ में लेखांकन संसाधन गतिविधियों के लिए प्रणाली की संक्षिप्त रूपरेखा, संशोधित नकद प्रबंधन प्रणाली, नकद

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

असाइनमेंट की विशेषताएं और प्रक्रियाओं, स्टोरों के ऋणों की बकाया राशि, लेखांकन परियोजना के लिए निर्देश और लेखन परियोजना में सामान्य अभाव आदि विषयों को शामिल किया। श्रीमती अलका सूरी ने डी आर डी ओ में वित्तीय प्रतिबंधों की अधिसूचनाओं के लिए स्वीकृत संहिता पर एक व्याख्यान दिया।

परियोजना निष्पादन के लिए टीम अभिमुखीकरण पर कार्यशाला

डॉ एस बी सिंह, व्याख्यान देते हुए।

यंत्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना (आई आर डी ई), देहरादून में प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आई टी एम), मसूरी द्वारा 23 अप्रैल, 2014 को परियोजना निष्पादन के लिए टीम अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्याशाला का उद्देश्य डी आर डी ओ स्पेक्ट्रम में सिद्धांतों, तकनीक और टीम अभिमुखीकरण की कला में सफल हैंडलिंग और परियोजनाओं के निष्पादन के लिए परियोजना पेशेवरों और वरिष्ठ वैज्ञानिकों को प्रशिक्षत करना था।

कार्याशाला का शुभारंभ डॉ एस बी सिंह, निदेशक, आई टी एम के स्वागत भाषण के साथ हुआ। आई आर डी ई के निदेशक डॉ ए के गुप्ता ने कार्याशाला का उद्घाटन किया। आई आर डी ई से 60 प्रतिभागियों ने इस कार्याशाला में भाग लिया। परियोजना प्रबंधन का अवलोकन, मानव संसाधन गतिविधियों का निष्पादन (मनोवैज्ञानिक पहलू), समन्वित दलों और परियोजना प्रबंधन में गुणवत्ता का महत्त्व जैसे कुछ विषयों को कार्याशाला के दौरान शामिल किया गया।

अपने पूर्ण व्याख्यान में डॉ. एसबी सिंह ने प्रक्रियाओं, उपकरणों और परियोजना प्रबंधन की तकनीकों पर चर्चा की। आपने परियोजना में रेस्पांस्बिलिटी अथॉरिटी मैट्रिक्स (रैम) और रेस्पांस्बिलिटी, अथॉरिटी, कंसल्ट और इंर्फोम (आरएसीआई) के मॉडलों के अनुप्रयोगों पर बल दिया। योजना, निर्धारण, जोखिम प्रबंधन, समय प्रबंधन, आदि जैसे 9 ज्ञान क्षेत्र मॉडल्स पर प्रकाश डाला गया और परियोजनाओं में मामलों के सदर्भो के साथ 'समय' तत्व के महत्त्व पर चर्चा की गयी।

एक आम सहमति यह बनी कि डी आर डी ओ की परियोजना निष्पादन में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए ऐसी कार्याशालाओं को बार–बार आयोजित किया जाना चाहिए।

एयरोस्पेस वाहन के लिए उन्नत नियंत्रण प्रणाली पर कार्यशाला

श्री सतीश रेड्डी, कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए।

वैज्ञानिकों और नियंत्रण प्रणाली के डिजाइनरों को अपना ज्ञान बढ़ाने और उन्नत करने में एक अवसर प्रदान करने के लिए कंट्रोल सिस्टम लैब, अनुसंधान केन्द्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद द्वारा 14 मई, 2014 को एयरोस्पेस वाहन के लिए उन्नत नियंत्रण प्रणाली पर कार्याशाला का आयोजन किया गया। आर सी आई के निदेशक, श्री जी सतीश रेड्डी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने अपने संबोधन में कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकी के ज्ञान को अद्यतन करने के लिए अत्यधिक कुशल और गतिशील होना अनिवार्य है। आपने डिजाइन के अनुकूलन और लघु रूपान्तरण के लिए नई तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया। आपने यह भी उल्लेख किया कि डिजाइनों के

विभिन्न पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। आपने आर्थिक उत्पाद उन्मुख नियंत्रण प्रणाली के अभिकल्पन पर बल दिया।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (वी एस एस सी) के पूर्व उपनिदेशक और कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ बीबी दास ने अपने संबोधन में महत्त्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली के डिजाइन क्षेत्रों में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के अपने समृद्ध अनुभवों को साझा किया। आई आई टी, मद्रास के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, डॉ एम सिंहापुरमल ने आधुनिक तकनीक लागू करने के लिए हाइड्रोलिक नियंत्रण प्रवर्तन प्रणाली के डिजाइन पहलुओं पर प्रकाश डाला। नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला के प्रौद्योगिकी निदेशक, श्री ए चट्टोपाध्याय, वैज्ञानिक जी ने डी आर डी ओ के कार्यक्रमों और चल रही प्रक्षेपास्त्र परियोजनाओं के लिए आर सी आई द्वारा डिजाइन और विकसित कंट्रोल प्रणाली का अवलोकन किया।

रक्षा अनुप्रयोगों के लिए डिजिटल प्रोसेसिंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद ने 19–23 मई, 2014 के दौरान रक्षा अनुप्रयोगों के लिए डिजिटल प्रोसेसिंग पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उदघाटन आर सी आई के सह निदेशक, श्री डी संगमेश्वर राव, उत्कृष्ट वैज्ञानिक द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। अपने भाषण में श्री राव ने रक्षा क्षेत्र में इमेज प्रोसेसिंग के अनुप्रयोग और महत्त्व को समझाया। विभिन्न डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं से 25 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जे एन टी यू) हैदराबाद; रक्षा भू-भाग अनुसंधान प्रयोगषाला (डी टी आर एल), दिल्ली; वैमानिकी विकास स्थापना (ए डी ई), बैंगलूरू; कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू; तथा आर सी) आई, हैदराबाद के विशेषज्ञ संकाय सदस्य थे।

इंट्रोडक्शन टू इमेज प्रोसेसिंग सिस्टम तथा फंडामेंटल ऑफ डी आई पी, इमेज इन्हांसमेंट, इमेज रिस्टोरेशन, इमेज ट्रांस्फोर्मेशन, इमेज कम्प्रेशन तकनीकें, वीडियो कम्प्रेशन, इमेज विभाजन, इमेज मोरफोलोजी आदि विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है और प्रस्तुतियों की प्रतियां तथा ई–पुस्तकों की सॉफ्टकापी सभी प्रतिभागियों को दी गयी। फ्लाइट इंस्ट्रूमेन्टेशन निदेशालय के सह निदेशक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, डॉ एस बी गाडगिल ने समापन समारोह में भाग लेने वाले विजेताओं

श्री एम शंकर किशोर, पाठ्यक्रम निदेशक के साथ पाठ्यक्रम के प्रतिभागीगण।

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये। श्री एम शंकर किशोर, वैज्ञानिक जी, पाठ्यक्रम निदेशक थे।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली

श्री एस के जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक, उद्घाटन उद्बोधन देते हुए।

रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा 15 जुलाई 2014 को डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों/अधिकारियों के लिए भगवंतम सभागार, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली में हॉउ टू एक्सेस ई रिर्सोसिज इन इफैक्टिव वे अंडर डी आर डी ओ ई–जर्नल्स सर्विस (कंसोर्सियम) विषय पर एक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागीगण।

इस कार्यक्रम में दिल्ली स्थित प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के 150 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। आई ई ई ई, एन पी जी, ए सी एम, ए एस एम ई, आई एच एस जेन्स, टी एव एफ, ए आई ए ए, एल्सवियर, ए ए ए एस/साइंस, एडुसर्व, इंफोरमेटिक्स इंडिया, निम्बस एवं एब्सको इत्यादि प्रकाशकों के प्रतिनिधियों ने इन सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।

श्री एस के जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा सभी प्रकाशकों, विक्रेताओं, एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया। आपने डी आर डी ओ समुदाय द्वारा प्रयोग किए जा रहे ई–जर्नल्स के महत्व पर बल दिया। आपने डेसीडॉक द्वारा दी जा रही सेवाओं पर भी प्रकाश डाला। शेष कार्यक्रम का आयोजन श्री योगेश मोदी, प्रमुख, ई–जर्नल्स द्वारा किया गया। श्री अशोक कुमार, सह निदेशक, एवं समन्वयक, ई–जर्नल्स ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डी आर डी ओ की प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं में पधारे अतिथिगण

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बैंगलूरू

कैब्स की गतिविधियों में रूचि लेते हुए एयर मार्शल सिन्हा।

22 मई, 2014 : भारतीय वायु सेना के एयर मार्शल एस बी सिंहा, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट मेडल, वायुसेना के उप प्रमुख। उन्हें एईडब्ल्यू और सी कार्यक्रम की प्रगति के बारे में जानकारी दी गयी। आपने कैब्स पर ए ई डब्ल्यू तथा सी विमानों और विभिन्न तकनीकी सुविधाओं का निरीक्षण किया।

रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (डिहार), लेह

प्रो. सी एन आर ने एडवांस नानोमेटेरियल सम्मेलनः 'वर्तमान रुझान और भावी संभावनाएं' के मौके पर रोहतांग दर्रे का दौरा किया। उत्कृष्ट वैज्ञानिक तथा डिहार के निदेशक, डॉ आर बी श्रीवास्तव ने नैनो सामग्री के उपयोग और कृषि पशु प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए प्रो. सी एन आर राव को डिहार में हाल की पहल के बारे में

ISSN 0971-4405

डॉ राव को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ श्रीवास्तव।

उपयुक्त कोल्ड डिजर्ट दशाओं जानकारी दी। प्रो. राव ने संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत् उपयोग और दोहरी प्रौद्योगिकी के विकास की दशा में डिहार के प्रयासों की सराहना की जिसका ट्रांस हिमालय क्षेत्र में सामरिक और सामाजिक दोनों ही प्रभाव पड़ता है।

रक्षा प्रयोगशाला (डी एल), जोधपुर

19 मई, 2014 : एयर स्टाफ के उप मुख्य, एयरमार्शल एस बी पी सिन्हा। उन्हें डीआरएएलए परिसर में आर सी एस सुविधाओं को दिखाया गया और प्रयोगशाला में तकनीकी गतिविधियों के बारे में बताया गया।

02 मई, 2014 : सरदार पटेल विश्वविद्यालय आफ पुलिस, सुरक्षा और अपराधिक न्याय के छात्र। आपको डी एल जे की तकनीकी गतिविधियों के बारे में बताया गया। परमाणु विकिरण प्रबंधन और एप्लीकेशन, रेगिस्तान पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के तकनीकी वर्गों के भ्रमण का भी आयोजन करवाया।

अनुसंधान केंद्र इमारत (आर सी आई), हैदराबाद

24 अप्रैल, 2014 : एयरमार्शल पी कनकराज, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, एओसी इन सी।

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बैंगलूरू

मेजर जनरल सिंह, इसरो के सदस्यों से वार्ता करते हुए।

22 अप्रैल, 2014 : मेजर जनरल ए एल सिंह, विशिष्ट सेवा मेडल, कमान्डेट, एम आई एन टी एस ओ तथा उनकी टीम। डॉ दीप्ती देवधर, वैज्ञानिक जी द्वारा आगंतुकों के लिए केयर द्वारा विकसित खुफिया डाटा, प्रौद्योगिकियों, इमेज और वीडियो विश्लेषणों का प्रदर्शन किया गया।

पाठकों की राय

आपकी राय हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे हमें इस पत्रिका को और अधिक उपयोगी तथा सूचनाप्रद बनाने तथा संगठन को बेहतर रूप में अपनी सेवा उपलब्ध कराने के अवसर प्राप्त होते हैं। डी आर डी ओ समाचार अपने सम्मानित पाठकों से प्रकाशित सामग्रियों तथा विषयों की गुणवत्ता के बारे में अपने सुझाव प्रेषित करने का अनुरोध करता है। कृपया अपने सुझाव निम्नलिखित पते पर भेजें:

संपादक, डी आर डी ओ समाचार, रक्षा वैज्ञानिक सूचना तथा प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), मेटकॉफ हाउस, दिल्ली–110054 **ई-मेल : director@desidoc.drdo.in**

drdo.gov.in/drdo/pub/samachar/index.html

मुख्य सम्पादक: सुरेश कुमार जिंदल
सम्पादक: फूलदीप कुमार
सहायक सम्पादक: अशोक कुमार
सम्पादकीय सहायक: शालिनी छाबड़ा
मुद्रण: एस के गुप्ता, हंस कुमार
विपणन: आर पी सिंह

श्री सुरेश कुमार जिंदल, निदेशक, डेसीडॉक द्वारा डी आर डी ओ की ओर से मुद्रित एवं प्रकाशित
प्रकाशक : डेसीडॉक, मेटकॉफ हाउस, दिल्ली-110054 ; दूरभाष : 011-23812252 ; फैक्स : 011-23813465 ; ई-मेल : director@desidoc.drdo.in